दिल्ली पुलिस समाचार

अंक-127 मार्च-अप्रैल, 2019 पंजी० सं० आर-43037/85 दिल्ली पुलिस की घरेलू पत्रिका



- अत्याधुनिक संचार उपकरणयुक्त व्यवस्था
- 4G रेडियो विडियो कॉंफ्रेंसिंग व्यवस्था
- सीसीटीवी मॉनिटरिंग
- सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान हेतु 10 रेडियो पैनल

बस में लगे आंतरिक संचार उपकरणों का निरीक्षण करते हुए वरिष्ठ अधिकारीगण

आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित चलती-फिरती कंट्रोल रुम बस आपात स्थिति में बहुपयोगी सिद्ध होगी

नागरिकों के हितों और सुविधाओं के लिए शुरु की योजनाओं के प्रभावशाली क्रियान्वयन पर भी निरंतर निगरानी रखें

– पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक

साथियों, दिल्ली जैसे महानगर में अच्छी पुलिसिंग व कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए हमें सामूहिक रूप से अपनी–अपनी जिम्मेदारी का पूरी निष्ठा, ईमानदारी और सजगता के साथ पालन करना होता है, यानि इस महत्वपूर्ण दायित्व के निर्वाह के लिए हम सब मिलकर एक टीम के रूप में काम करते हैं। मुझे खुशी है कि दिल्ली में चल रही लोकसभा चुनाव प्रक्रिया में दिल्ली पुलिस पूरी सजगता और कर्मठता के साथ निष्पक्ष व शांतिपूर्ण चुनाव कराने के अपने उद्देश्य की सफलतापूर्वक पूर्ति की ओर अग्रसर है। फिर भी मैं पुनः आपको स्मरण दिलाना चाहता हूँ कि पारदर्शी और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया में पुलिस की अहम भूमिका होती है और चुनाव के दिनों में प्रतिदिन होने वाली छोटी–बड़ी सैकड़ों सभाओं, बैठकों व रैलियों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखना किसी बड़ी चुनौती से कम नहीं होता है, इसलिए आप लोग अपने कर्तव्य पालन में कोई कोताही न बरतें। मैंने स्वयं अधिकांश वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों के साथ बैठकें कर चुनावी तैयारियों की रूपरेखा का जायजा लिया है और साथ ही हिदायत भी दी है कि किन्हीं भी परिस्थितियों में चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन न होने पाये। मैं आपके उत्साह और पुख्ता सुरक्षा प्रबंधों को देखकर काफी प्रभावित हुआ हूँ। इसके साथ ही दिल्ली में आयोजित हुए आईपीएल मैचों के दौरान आप लोगों द्वारा किये गये सफल सुरक्षा प्रबंधों की भी मैं प्रशंसा करता हूँ। मुझे पूर्ण विश्वास है कि आप अपने मजबूत इरादों व दृढ़ संकल्प से दिल्ली में बेहतरीन कानून व्यवस्था बनाए रखेंगे और किसी प्रकार की शिकायत का कोई अवसर नहीं देंगे।

साथियों, दिल्ली देश का एक ऐसा महानगर है जहां अन्य शहरों की अपेक्षा अपराधों के अधिकतम प्रकार, सामाजिक व आर्थिक असमानता, एकाकी पारिवारिक परिवेश, जनसंख्या घनत्व एवं अनियमित बसावट तथा युवाओं में देखी गई सहनशीलता की कमी – इन्हीं सब तथ्यों की वजह से अपराध एवं आपराधिक प्रवृत्ति को बढ़ावा मिल रहा है। इसके साथ ही दिल्ली में प्रिंट व इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की उपस्थिति, सोशल मीडिया पर लोगों की बढ़ती जागरूकता से दिल्ली में होने वाले छोटे से छोटे अपराध भी सुर्खियां बन जाते हैं। इस सबके बावजूद, मैं यही कहना चाहूँगा कि हमें जनता का अधिक से अधिक विश्वास अर्जित करते हुए उन्हें अपनी कार्यशैली में शामिल करने के अपने प्रयास निरंतर जारी रखने चाहिए ताकि स्ट्रीट क्राइम, संगठित अपराध, व्हाइट कॉलर क्राइम, अवैध हथियार तथा अवैध शराब की सप्लाई को रोका जा सके। इसके साथ ही ट्रैफिक पुलिस, पीसीआर, स्थानीय पुलिस की जीपीएस युक्त मोटरसाइकिलों की सड़कों पर मुस्तैद उपस्थिति, स्मार्ट पुलिसिंग एवं टेक्नोलॉजी के अधिकतम उपयोग तथा पुलिस कार्यप्रणाली में पारदर्शिता के साथ–साथ दिल्ली के दूर–दराज के इलाकों की गहन निगरानी रखते हुए हम दिल्ली के नागरिकों की अपेक्षाओं पर खरा उतर सकते हैं। इसके साथ ही मैं, आप सबका ध्यान आकृष्ट चाहूँगा कि दिल्ली के नागरिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए उनकी सुविधा के लिए जो–जो योजनाएँ दिल्ली पुलिस ने शुरू की है, उन्हें प्रभावशाली ढंग से क्रियान्वित करने के लिए अपडेट रहें और इस पर निरंतर निगरानी रखें, ताकि उनके सार्थक परिणाम सामने आएँ।

आपको ज्ञात होगा कि पिछले दिनों हमने अपना 72वां पुलिस स्थापना दिवस पूरे हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर 16 से 22 फरवरी के बीच चले पुलिस सप्ताह के दौरान दिल्ली पुलिस की सभी जिला/यूनिटों में भिन्न–भिन्न प्रकार के रचनात्मक कार्यक्रम आयोजित किये गये। इस दौरान आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में महामहिम राष्ट्रपति, केंद्रीय गृहमंत्री, केंद्रीय गृहराज्यमंत्री, उपराज्यपाल महोदय एवं भूतपूर्व पुलिस आयुक्तों सहित खासी संख्या में केंद्र सरकार व दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। इस दौरान दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति द्वारा नई पुलिस लाईन के मैदान में आयोजित हस्तनिर्मित वस्तुओं की प्रदर्शनी,



मिशन ओलंपिक स्पोर्ट्स मीट–19 तथा इंडिया गेट पर आयोजित पुलिस प्रदर्शनी का पुलिस परिवारों के सहयोग से आयोजन किया गया। उसके लिए भी मैं समिति की सभी पदाधिकारियों का आभारी हूँ और उनके द्वारा किये जा रहे कल्याणार्थ कार्यो के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

आगामी कुछ महीनों में गर्मी के मौसम के दौरान आप सभी दिन या रात्रि के समय गश्त या अन्य ड्यूटी करते हुए, विशेषकर हमारे यातायात के जवान तपती सड़कों पर यातायात को संचालित करते हुए अपना विशेष ध्यान रखें तथा समय पर खाना खाने के साथ–साथ पानी का अधिकतम प्रयोग करें। कई बार दिल्ली में बिजली व पानी की समस्या या सड़क हादसे को लेकर जनता आंदोलित हो जाती है, ऐसी परिस्थितियों से संवेदनशीलता के साथ निपटा जाना चाहिए।

पिछले दिनों उत्कृष्ट एवं अनुकरणीय कार्यो को अंजाम देने वाली पुलिस टीमों के सदस्यों और सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स को सम्मानित करते हुए मेरे मन में एक बात आई कि क्या सिर्फ यहाँ सम्मानित होने वाले पुलिस अधिकारी या कर्मी ही अपने कर्तव्य को बखूबी निभा रहे हैं? परन्तु उसी समय एक और विचार आया कि नहीं ऐसा बिल्कुल नहीं है। इस प्रतिष्ठित दिल्ली पुलिस संगठन के अनेक अधिकारी एवं कर्मी ऐसे है जो निरंतर बिना किसी दिखावे या प्रदर्शन के अपने कर्तव्य को पूरी ईमानदारी और लगन से निभा रहे है तभी तो हमारा यह संगठन श्रेष्ठता की कसौटी पर खरा उतरता है। पुरस्कृत होने के अलावा अनेकानेक ऐसे अधिकारी एवं कर्मी हैं जिनके अदम्य साहस, उत्साह एवं कर्तव्यपरायणता की वजह से ही हम एक पुलिस बल के रूप में कामयाब हैं। मैं आपको पुनः स्मरण कराना चाहूँगा कि अपने बेहतरीन कार्यो से विभाग की प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को उनके अच्छे कार्यों के लिए सराहा जाएगा।

पहले मोबाइल कंट्रोल रुम की शुरुआत

19 मार्च, 2019 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने शालीमार बाग स्थित संचार शाखा के कार्यालय में आधुनिक उपकरणों से लैस पहले मोबाइल कंट्रोल रूम (मोबाइल पीसीआर बस) का उद्घाटन किया। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.नित्यानंदन, श्री संदीप गोयल, श्री एस.के.गौतम, अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री प्रेमनाथ सहित संचार शाखा** के अधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। आधुनिक संचार उपकरणों से सुसज्जित इस बस में पुलिस थानों की तरह सभी तरह के आधुनिक उपकरण मौजूद है जिससे जरूरत के समय विभिन्न जिलों में सुरक्षा व यातायात की सूचनाओं के साथ–साथ अन्य सूचनाओं का आदान–प्रदान वायरलैस व इंटरनेट के जरिये किया जा सकेगा। इस मोबाइल कंट्रोल रूम को इंटीग्रेटेड कम्युनिकेशन सिस्टम, वॉयर लॉगर, वायरलेस ऑपरेटर कंसोल, सीसीटीवी सर्विलांस, यूपीएस,डीजी सेट और कॉंफ्रेंस रूम से लेस किया गया है। इस मोबाइल कंट्रोल रूम बस को गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, वीआईपी, वीवीआईपी, राजघाट, रामलीला ग्राउंड, चुनाव व्यवस्था और आपातकालीन स्थिति में प्रयोग में लाया जा सकेगा।



मोबाइल कंट्रोल रूम





मोबाइल पीसीआर बस में तैनात पुलिसकर्मियों एवं आंतरिक बनावट व संचार उपकरणों का निरीक्षण करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

गृह मंत्रालय के मापदंड़ों पर खरा उतरते हुए थाना कश्मीरी गेट ने देश के 10 सर्वश्रेष्ठ थानों में अपनी विशेष पहचान बनाई

केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश के पुलिस स्टेशनों की वार्षिक रैंकिग के हिसाब से उत्तरी जिला के थाना कश्मीरी गेट को देश का सर्वश्रेष्ठ पुलिस स्टेशन घोषित किया है। 2 अप्रैल, 2019 को **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने गृहमंत्रालय द्वारा जारी **''सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस''** का प्रमाण पत्र कश्मीरी गेट **थानाध्यक्ष इंस्पेक्टर देवेन्द्र कुमार** को प्रदान किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री राजेश खुराना, उपायुक्त पुलिस श्रीमती नुपूर प्रसाद** सहित कई पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। गृहमंत्रालय द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ एक्सीलेंस प्रमाण पत्र थानों में बिल्डिंग के रखरखाव, साफ–सफाई, जघन्य वारदातों को सुलझाने की दर, सीसीटीएनएस पर अपलोड किया गया डाटा, शिकायतों के निपटारे की दर, पुलिस स्टाफ का व्यवहार, मामलों के निपटारे की गुणवत्ता, लोगों से फीडबैक, रिकॉर्ड्स व केस प्रापर्टी के रखरखाव और आगुंतकों के लिए थाने में उपलब्ध सुविधाओं को ध्यान में रखकर दिया जाता है। वर्ष 2018 में गृहमंत्रालय के निर्देश पर क्वालिटी काउंसिलिंग ऑफ इंडिया ने उपरोक्त मापदंडों को घ्यान में रखकर देशभर के थानों का सर्वे किया था और कुल 80 मानकों को ध्यान में रखकर 10 पुलिस थानों की सूची तैयार की जिसमें थाना कश्मीरी गेट ने देश के श्रेष्ठ पुलिस थानों में सर्वश्रेष्ठ स्थान प्राप्त किया। देश के 10 टॉप थानों का चयन करने के लिए आईबी की एक कमिटी बनाई जाती है। इस टीम ने हनुमान मंदिर क्षेत्र के आसपास मादक द्रव्यों के सेवन में लिप्त बच्चों के पुनर्वास और नशामुक्ति से संबंधित कार्यक्रमों के आयोजन की भी सराहना की। पुलिस आयुक्त महोदय ने इस उपलब्धि को समस्त दिल्ली पुलिस के लिए गौरव बताते हुए उत्तरी जिला के पुलिस अधिकारियों एवं कर्मियों को बधाई दी।





उत्तरी जिला के थाना कश्मीरी गेट को देश का सर्वश्रेष्ठ थाने का प्रमाण पत्र प्रदान करते हुए पुलिस आयुक्त एवं साथ में उत्तरी परिक्षेत्र के वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम जागरुकता के तहत पुलिस मुख्यालय में कार्यशाला का आयोजन



विशेष पुलिस आयुक्त श्री पी.के. भारद्वाज कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए

11 अप्रैल, 2019 को पुलिस मुख्यालय स्थित कॉंफ्रेंस हॉल में **विशेष पुलिस आयुक्त (प्रशिक्षण) श्री पी. के.भारद्वाज** की अध्यक्षता में यौन उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के तहत एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस मौके पर सेवानिवृत आई.ए.एस अधिकारी **श्री जसबीर सिंह बज़ाज, कानून विशेषज्ञ सुश्री सुनीता सुमन** व **उपायुक्त (पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, द्वारका) श्रीमती सुमन नलवा** सहित काफी संख्या में वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित थे। पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, द्वारका द्वारा आयोजित इस कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों को अपने संबंधित क्षेत्राधिकार में यौन उत्पीड़न के खिलाफ प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाना और पुलिस अधिकारियों की जिम्मेदारी को सुनिश्चित करना था। कार्यशाला में प्रतिभागियों को यौन उत्पीड़न के मामलों के निपटारे में आने वाली अड़चनों और विविधताओं को समझने में मदद करना, समय पर रिकॉर्डिंग एवं सूचना देना और जांच प्रक्रियाओं को सुनिश्चित करने में अपनी जिम्मेदारी के अनुरूप काम करना बताया गया। विशेष पुलिस आयुक्त ने अपने सम्बोधन में कहा कि ऐसी कार्यशालाओं के आयोजन से न केवल ऐसे मुद्दों पर संवेदनशीलता बढ़ती है बल्कि समय समय पर उसकी आवश्यकता और महत्ता पर चर्चा होने से हमें एक नया दृष्टिकोण भी हमें प्राप्त होता है। उन्होनें कहा कि दिल्ली पुलिस के ई–लर्निंग पोर्टल **''निपुण''** की मदद से ऐसे विषयों को ऑनलाइन उपलब्ध कराया जाना भी एक बड़ी उपलब्धि है, जिससे ऐसे मामलों की जानकारी सभी पुलिसकर्मियों तक पहुंच जाती है। दिल्ली पुलिस अपनी महिला कर्मचारियों को न केवल कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है बल्कि उन्हें सुगम एवं सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए भी कृतसंकल्प है।

700 से ज्यादा नि:शुल्क हेल्मेट बांटने वाले हेडकां० संदीप को सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के सचिव ने किया सम्मानित



सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के अधिकारी हेड कां. संदीप शाही को सम्मानित करते हुए



हेड कां. संदीप के जुड़वां बच्चे कृति, यश एवं भतीजे आशीष रंजन के साथ वरिष्ठ पुलिस अधिकारीगण

19 मार्च, 2019 को अशोका होटल में आयोजित एक कार्यक्रम में सड़क एवं परिवहन मंत्रालय के सचिव **श्री वाई.एस. मलिक** ने दिल्ली पुलिस के **हेडकां० संदीप शाही** को सड़क सुरक्षा के बारे में हजारों लोगों को जागरूक करने पर महिन्द्रा एंड महिन्द्रा मोटर्स से संबंधित **''एक्सीलेंस अवार्ड''** के साथ–साथ प्रशंसा पत्र व ट्राफी से सम्मानित किया। हेडकां० संदीप शाही द्वारा कई वर्षो से दिल्ली की सड़कों पर वाहन चालकों को जागरूक करने की निस्वार्थ मुहिम से प्रभावित होकर वाहन निर्माता महिन्द्रा एंड महिन्द्रा मोटर्स कंपनी के अधिकारियों की सिफारिश पर सड़क एवं परिवहन मंत्रालय द्वारा उन्हें सम्मानित किया गया। एक सड़क दुर्घटना में पत्नी के गंभीर रूप से घायल होने पर पहुँचे मानसिक आघात से प्रभावित होकर हेडकां० संदीप शाही ने वर्ष 2015 में रक्षाबंधन के दिन **''सु–रक्षाबंधन''** के नाम से एक मुहिम चलाई, जिसके तहत उन्होंने आज तक 700 से ज्यादा बिना हेल्मेट दुपहिया सवारों को नि:शुल्क हेल्मेट प्रदान कर जीवन में हेल्मेट की महत्ता का अहसास कराया और उन्हें हेल्मेट पहनने के लिए प्रेरित किया। विशेषकर अपनी शादी की वर्षगांठ एवं बच्चों के जन्मदिवस पर हर वर्ष होने वाले खर्च को बचाकर हेल्मेट खरीद कर बांटने वाले संदीप का कहना है कि, मेरे लिए यह महत्व नहीं रखता कि मैं किसी भी जिला यूनिट या यातायात पुलिस में तैनात रहूँ, मैं अपनी मुहिम के प्रति गंभीर रहता हूँ। पिछले दिनों सिग्नेचर ब्रिज पर बाड़ा हिन्दूराव अस्पताल के दो डाक्टरों की रफ्तार एवं बिना हेल्मेट की वजह से हुई मौत से आहत हुए संदीप ने उस ब्रिज पर भी कई दिनों तक विशेष अभियान चलाया। अपने इस अभियान के दौरान संदीप न केवल बिना हेल्मेट पहने दुपहिया चालकों को हेल्ममेट दिये बल्कि ऐसे चालकों को शीशा दिखाकर उन्हें यह अहसास भी कराया कि **''आईना कभी झूठ नहीं बोलता''** यानि ऐसे चालक न केवल अपनी गलती को महसूस करें, बल्कि शर्मिंदगी भी महसूस करें और भविष्य में ऐसी गलती को ना दोहराएं। हेडकां० संदीप शाही के कर्तव्यनिष्ठा और संजीदगी का आभास इसी बात से होता है कि, उन्होंने माननीय प्रधानमंत्री एवं सड़क एवं परिवहन मंत्री को पत्र लिख कर आग्रह किया है कि ' सड़कों पर दुपहिया वाहन चालकों के चालान से प्राप्त होने वाली राशि को सरकारी खजाने में जमा कराने की बजाय चालान की उस राशि से उस दुपहिया वाहन चालक को मौके पर ही हेल्मेट मुहैया कराया जाए तथा उनकी काउंसलिंग कराई जाये। पिछले दिनों चलती कार में आग लगने की घटनाओं से प्रेरित होकर हेडकां० संदीप ने एक नई मुहिम चलाई है जिसमें उन्होंने कारों में उच्च क्वालिटी के अग्निशमन यंत्र लगाने के लिए वाहन चालकों को जागरूक किया है। इसके साथ ही उनके दोनों जुड़वा बच्चे भी अपने जन्मदिन तथा राष्ट्रीय पर्वों पर यातायात कर्मियों जैसी वर्दी पहन कर अपने स्कूल जाते हैं और वहां अपने अध्यापकों और अन्य छात्रों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते है।

ध्वनि प्रदूषण एवं भीड़ हिंसा की शिकायत के लिए विशेष हेल्पलाइन

Mob Violence
1555270

Noise Pollution
1555271

माननीय उच्चतम न्यायालय एवं नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के दिशा–निर्देश पर दिल्ली पुलिस ने दिल्ली के नागरिकों को ध्वनि प्रदूषण एवं भीड़ हिंसा के मामलों की शिकायत दर्ज कराने के लिए चौबीसों घंटे व सातों दिन के लिए दो हेल्पलाइन शुरू की है। ध्वनि प्रदूषण (Noise Pollution) के लिए दूरभाष नं0 1555271 तथा भीड़ हिंसा (Mob Violence) के लिए 1555270 हेल्पलाइन पर नागरिक अपनी शिकायत दर्ज करा सकेंगे। पुलिस कंट्रोल रूम से संचालित ये दोनों इमरजेंसी हेल्पलाइन वर्ष के 365 दिन काम करेंगी। भीड़ हिंसा में कोई भी व्यक्ति किसी भी स्थान पर भीड़ के बेकाबू होने, उपद्रव करने, सरकारी या निजी संपति को नुकसान पहुंचाने या हिंसक भीड़ द्वारा किसी के साथ मारपीट की घटना देखने पर पुलिस कंट्रोल रूम में अपनी शिकायत दर्ज करा सकता हैं। इसके साथ ही गाड़ियों के तेज हॉर्न, कंस्ट्रक्शन के शोर या फिर शादी या धार्मिक आयोजन में बज रहे डीजे/जनरेटर की तेज ध्वनि से हो रही परेशानी (विशेषकर रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे के बीच) की शिकायत इस हेल्पलाइन पर की जा सकेगी।

मानव अधिकार वाद–विवाद प्रतियोगिता में हेडकां0 पवन शर्मा का शानदार प्रदर्शन



एक मार्च, 2019 को पुलिस मुख्यालय स्थित क्रॉफ्रेंस हाल में मानव अधिकार वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें दिल्ली उच्च न्यायालय सुरक्षा में तैनात **हेडकां0 पवन शर्मा** ने प्रथम स्थान प्राप्त कर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया। जन–शिकायत आयोग के चेयरमैन श्री अशोक कुमार की अध्यक्षता में आयोजित इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में संयुक्त पुलिस आयुक्त (मुख्यालय) एवं अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सतर्कता) भी शामिल थे। ''सुरक्षा बलों द्वारा मानव अधिकारों का उल्लंघन एक नागरिक और समावेशी लोकतंत्र में आवश्यक है।'' विषय पर आधारित इस प्रतियोगिता में अपराध शाखा में तैनात एसआई खुशबू तथा पीटीएस वजीराबाद में तैनात एएसआई विनोद कुमार ने द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया।

जनता व पुलिस के बीच परस्पर विश्वसनीय संबंध, स्थानीय सूचना तंत्र की मजबूती, समय पर सूचनाओं का आदान–प्रदान, तकनीक व शक्ति का सदुपयोग तथा ड्यूटी के प्रति वफादारी का जज्बा, ये पांच मंत्र किसी भी पुलिस संगठन को श्रेष्ठ से श्रेष्ठतम बनाने में मजबूत नींव का काम करते हैं।
– पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक

लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस मुख्यालय में अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित



पुलिस आयुक्त की अध्यक्षता में अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक

आगामी लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली व एनसीआर में सुरक्षा व्यवस्था को सशक्त करने और परस्पर सहयोग बढ़ाने की दिशा में 5 अप्रैल, 2019 को पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** की अध्यक्षता में अंतर्राज्यीय समन्वय बैठक आयोजित हुई। बैठक में दिल्ली पुलिस एवं एनसीआर के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के साथ–साथ हरियाणा, उत्तर प्रदेश, उतराखंड,मध्यप्रदेश, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, बिहार व चंडीगढ़ पुलिस के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने बैठक में हिस्सा लिया। बैठक में आतंकवादी गतिविधियों, असामाजिक तत्वों, शराब माफिया व अवैध हथियारों की तस्करी रोकने के लिए प्रभावशाली कदम उठाने के साथ–साथ किरायेदारों के सत्यापन, अतिथि गृहों की जांच व साइबर कैफे मालिकों एवं पुरानी कार डीलरों पर गहन नज़र रखने जैसे कदमों पर जोर दिया गया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनावों के लिए पुलिस की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण और प्रभावशाली होती है। इसलिए पुलिस को तटस्थ और सजग रहकर अपने दायित्व का निर्वाह करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि निरंतर खुफिया सूचनाओं का आदान–प्रदान करने व परस्पर बातचीत जारी रखने पर विशेष जोर देना चाहिए। बैठक के अंत में पुलिस आयुक्त ने बैठक में हिस्सा लेने आए सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को धन्यवाद दिया और बैठक में लिए गए ये निर्णयों पर गंभीरता से अमल करने के लिए आग्रह किया।

विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम द्वारा लिखित पुस्तक ''संविधान काव्य'' गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित



श्री एस.के.गौतम

विशेष पुलिस आयुक्त (संचार) श्री एस.के. गौतम द्वारा लिखित पुस्तक **''संविधान काव्य''** को वर्ष 2018–19 के गोविंद बल्लभ पंत पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। गृह मंत्रालय, भारत सरकार के पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो द्वारा हर वर्ष पुलिस, न्याय विज्ञान व अपराध शास्त्र से संबंधित हिन्दी की पांच उत्कृष्ट पुस्तकों के साथ–साथ पूरे देश से चार अन्य पुलिस अधिकारियों की पुस्तकों को चयन कर उन्हें पुरस्कृत किया जाता है। इन पुस्तकों का चयन ब्यूरो के महानिदेशक की अध्यक्षता में मूल्यांकन समिति द्वारा किया जाता है। श्री एस.के.गौतम द्वारा रचित पुस्तक संविधान काव्य में संविधान के जटिल एवं विस्तृत अनुच्छेदों को बहुत सुगम तरीके से व 'गागर में सागर' शैली में 238 पदों में काव्यात्मक रूप में लिखा गया है। इसका मूल उद्देश्य है कि साधारण नागरिक एवं विशेषकर पुलिसकर्मी संविधान को विस्तृत अनुच्छेदों को आसानी से समझ सके।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की गतिविधियों पर एक नज़र





दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने अपने सभी वेलफेयर सेंटरों में 8 मार्च, 2019 को **'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस'** पूरे हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाया। इस मौके पर समिति द्वारा कई प्रसिद्ध अस्पतालों जैसे बीएल कपूर, संजीवनी हॉस्पीटल, यशोदा सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पीटल, पार्क हॉस्पीटल व लाल पैथ लैब सहित कई सुप्रसिद्ध डायग्नोजेस्टिक सेंटरों के साथ मिलकर चिकित्सा शिविरों का आयोजन भी किया। इन चिकित्सा शिविरों में दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़ी सैकड़ों महिलाओं ने निःशुल्क अपनी चिकित्सा जांच कराई। कार्यक्रम के अंत में महिलाओं ने शानदार सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया।






18 मार्च, 2019 को होली पर्व पर समिति ने द्वारका पुलिस कॉलोनी के वेलफेयर सेंटर में होली मिलन समारोह का आयोजन किया। इस मौके पर समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों ने कॉलोनी वासियों के साथ मिलकर हर्षोल्लास के साथ होली पर्व को मनाया। द्वारका पुलिस कॉलोनी के लगभग 180 परिवारों ने आपसी भाईचारे एवं सौहार्द का परिचय देते हुए एक दूसरे को रंग लगाया एवं समिति की पदाधिकारियों को फूल भेंट किये। पुलिस कॉलोनी के बच्चों ने इस मौके पर सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए समारोह की शोभा बढ़ाई।





6 अप्रैल, 2019 को समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** एवं अन्य वरिष्ठ पदाधिकारियों दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े 73 बच्चों एवं 15 संरक्षकों के साथ दृश्यकला आर्ट संग्रहालय का दौरा किया। लाल किला स्थित दृश्यकला आर्ट संग्रहालय में बच्चों ने दुर्लभ एवं प्राचीन कलाकृतियों व चित्रों के साथ–साथ 18वीं सदी की विभिन्न धातुओं से बनी वस्तुओं को देखा। इस मौके पर बच्चों के बीच एक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया।

दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति ने सिविल सर्विस सेवा में चयनित लड़कियों को सम्मानित किया

16 अप्रैल, 2019 को दिल्ली पुलिस परिवार कल्याण समिति की **अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक** की अध्यक्षता में समिति ने 17, मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग स्थित राजपत्रित अधिकारी मेस में इस वर्ष सिविल सर्विस में चयनित हुई दिल्ली पुलिस परिवार की 3 सौभाग्यशाली लड़कियों का अभिनन्दन किया। इस मौके पर समिति की सभी पदाधिकारीगण एवं चयनित लड़कियों के अभिभावक भी उपस्थित थे।



समिति की अध्यक्षा, वरिष्ठ पदाधिकारीगण एवं चयनित लड़कियों का सामूहिक चित्र







समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक चयनित लड़कियों सुश्री नमिता शर्मा, सुश्री पूजा गुप्ता, सुश्री कनिष्का सिंह एवं उनके अभिभावकों को समिति एवं पुलिस परिवार की तरफ से शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए।







बैशाखी के पर्व पर आयोजित चयनित लड़कियों के अभिनन्दन समारोह का समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं फैशन शो का शानदार प्रदर्शन किया।

अच्छी तफतीश

माता–पिता के दोहरे हत्याकांड में शामिल पुत्री व उसके प्रेमी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम की पुलिस आयुक्त सहित वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रशंसा की



8 मार्च, 2019 को बाहरी जिला के थाना पश्चिमी विहार इलाके में स्थित एक नाले में पड़े बॉक्स में मिली महिला जागिर कौर (47) तथा अगले दिन उसी इलाके में मिली पति गुरमीत सिंह की लाश की पहचान करने और इस दोहरे हत्याकांड में शामिल पीड़ित की पुत्री देवेन्द्र कौर व उसके प्रेमी प्रिंस दीक्षित उर्फ विक्रम को गिरफ्तार कर पूरे मामले का पटाक्षेप करने वाली पुलिस टीम की कार्यवाही से प्रभावित होकर **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने टीम की भूरी–भूरी प्रशंसा की और इसी तरह लगन व निष्ठा के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री रणवीर सिंह कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुप तिवारी, उपायुक्त पुलिस श्री सेजू.पी.कुरविला व अति0उपा0पुलिस श्री राजेन्द्र सिंह सागर** भी उपस्थित थे। **एसीपी पश्चिमी विहार श्री विनय माथुर** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, एसआई रितु राज, एएसआई अनिल कुमार, एएसआई महाबीर, एएसआई राजेन्द्र सिंह, एएसआई राजबीर सिंह, एएसआई धनराज, हेडकां0 कृष्ण राठी, हेडकां0 सुभाष, हेडकां0 रजनीश , कां0 संदीप, कां0 अनिल, कां0 सतीश, कां0 नवीन, कां0 नवीन यादव, कां0 विरेन्द्र, कां0 अमित, कां0 सुनील व महिला कां0 दिव्या** की टीम ने अपनी गहन जांच में पाया कि पति से अलग रह रही पुत्री ने ही अपने प्रापॅर्टी के लालच में आकर अपने प्रेमी के साथ मिलकर इस दोहरे हत्याकांड को अंजाम दिया था।

पुलिस पार्टी पर फायरिंग करने वाले 3 कुख्यात बदमाशों को दबोचने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित



पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने 25–26 अप्रैल की रात थाना कापसहेड़ा इलाके में लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हुए 3 कुख्यात बदमाशों को रात्रि के अंधेरे में ही दबोचने वाली पुलिस टीम को सम्मानित किया। **एसीपी वसंत कुंज श्री रमेश कुमार** के नेतृत्व में **थानाध्यक्ष कापसहेड़ा सुबीर ओजस्वी, एसआई आकाश, एसआई मनीष, एएसआई राजाराम, हेड कां. विनय, हेड कां. दिग्विजय, हेड कां. नरेन्द्र व कां. हरीदास** की टीम ने पहले भी कई संगीन वारदातों में शामिल रहे बदमाशों को गिरफ्तार करने में शानदार सफलता अर्जित की है। हालांकि इन बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर फरार होने का हर संभव प्रयास किया था। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस. कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आनंद मोहन, उपायुक्त पुलिस श्री देवेन्द्र आर्या एवं अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्रीमती बेनिटा मेरी** भी उपस्थित थीं।

वर्ष 2017 में पुलिसकर्मी की सरकारी पिस्टल चुराने वाले दो बदमाशों को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त ने शाबाशी दी



11 मार्च, 2019 को थाना नंद नगरी में तैनात एक एएसआई इलाके में हुई एक सड़क दुर्घटना की कॉल पर जब मौके पर पहुंचा तो वहाँ मौजूद भारी भीड़ में किसी अज्ञात व्यक्ति ने उनकी सरकारी पिस्टल उस समय चुरा ली जब वह पीड़ित की मदद करने में व्यस्त था। इस संबंध में थाना नंद नगरी में मामला दर्ज हुआ था। इस संबंध में शाहदरा जिले के थाना मानसरोवर पार्क की पुलिस टीम को सरकारी पिस्टल चोरी के मामले में कुछ सुराग मिले। **एसीपी सीमापुरी श्री राम सिंह** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर मंगेश त्यागी, हेडकां0 दीपक कुमार, हेडकां0 जीतपाल, हेडकां0 देवेन्द्र, हेडकां0 जसबीर सिंह, हेडकां0 सुधीर, कां सन्नी व कां0 रोबिन** की टीम ने आरिफ उर्फ सलमान तथा मो0 साजिद नामक दो बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी हुई 9 एमएम की सरकारी पिस्टल के साथ–साथ 5 जिंदा कारतूस भी बरामद करने में सराहनीय सफलता पाई। **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** द्वारा जब पुलिस टीम को सम्मानित किया गया तो **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्रीमती मेघना यादव व अतिरिक्त उपायुक्त पुलिस श्री वेदप्रकाश सूर्या** भी उपस्थित थे।

अच्छी कामयाबी

7 वर्षीय मासूम बच्ची के अपहरण, बलात्कार व हत्या के मामले को संवेदनशीलता से सुलझाने वाली पुलिस टीम

पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने बाहरी जिला के थाना निहाल विहार में 9 फरवरी, 2019 को इलाके में एक सात वर्षीय मासूम के अपहरण, बलात्कार व हत्या की अतिसंवेदनशील वारदात को अल्प समय में सुलझाने वाली थाना एवं स्पेशल स्टाफ की टीम को शाबाशी दी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस.कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुप तिवारी, उपायुक्त पुलिस श्री सेजू.पी.कुरविला एसीपी श्री विकास माथुर, इंस्पेक्टर सुखबीर सिंह मलिक, एसआई प्रदीप, एएसआई राजकुमार, हेडकां0 सुरेश कुमार, हेडकां0 रूपेश, कां0 परमजीत सिंह, कां0 अजय व कां0 दिलीप** भी सदस्य उपस्थित थे।



एक सप्ताह के अंदर तीन हत्याओं में शामिल बदमाश को धर–दबोचने वाली पुलिस टीम की साहसिक कार्यवाही को पुलिस आयुक्त ने सराहा

द्वारका जिले के थाना बाबा हरिदास नगर की एक पुलिस टीम को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने एक ऐसे बदमाश को उसके साथी सहित गिरफ्तार करने पर शाबाशी दी जिसने एक सप्ताह के अंदर अपने सगे दादा (गढ़ी खेड़ी गांव रोहतक, हरियाणा), एक बस चालक (गांव नाहरा ,सोनीपत) तथा एक शराब कारोबारी (बाहलगढ़,सोनीपत) की सनसनीखेज हत्या में अहम भागीदारी की थी। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री आर.एस. कृष्णैया, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री मधुप तिवारी, एसीपी श्री विजय सिंह यादव, इंस्पेक्टर विपिन यादव** उपस्थित थे। घटना वाले दिन **हेडकां0 सुनील व कां0 नवदीप सिंह** ने इस बदमाश का उस समय पीछा किया जब वह अपने एक अन्य साथी के साथ मोटरसाइकिल पर ढ़िचाउं कलां की तरफ से संदिग्ध अवस्था में आ रहा था। पुलिसकर्मियों द्वारा रोके जाने के बावजूद न रूकने पर जब इन बदमाशों का पीछा किया तो उन्होंने पिस्टल निकाल कर पुलिसकर्मियों को जान से मारने की धमकी दी। पुलिसकर्मियों ने भी अपनी सर्विस रिवाल्वर निकाल कर दो हवाई फायर किये और उन पर काबू पाया।



अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त करने वाले गिरोह का भांडाफोड़ करने वाली पुलिस टीम पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

26 मार्च, 2019 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने पूर्वी जिला के थाना लक्ष्मी नगर की टीम को अवैध हथियारों की खरीद–फरोख्त करने वाले गिरोह का भांडाफोड़ कर उनके कब्जे से भारी मात्रा में अवैध हथियार बरामद करने पर शाबाशी देते हुए सम्मानित किया। **तत्कालीन एसीपी (आईपीएस), प्रीत विहार श्री रोहित राजबीर सिंह** के नेतृत्व में **इंस्पेक्टर अशोक कुमार शर्मा, एसआई सतीश, एएसआई भोपाल सिंह, एएसआई सुनील कुमार, हेडकां0 अरविंद कुमार, संदीप, मोमिन, कां0 मोहित, गौरव, सुनील व सतीश कुमार** की टीम ने ने कई दिनों के अथक प्रयास से अवैध हथियारों को बेचने व खरीदने वाले गिरोह का पर्दाफाश करने में 14 फरवरी, 2019 को शानदार सफलता अर्जित की थी। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अशोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्री जसमीत सिंह** भी उपस्थित थे।



भारी मात्रा में देशी–विदेशी अवैध शराब बरामद करने वाली टीम पुलिस आयुक्त से मिलकर प्रोत्साहित हुई

26 मार्च, 2019 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने शाहदरा जिले के थाना गांधी नगर की एक पुलिस टीम को भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद करने पर हौसला–अफ़जाई की। पुलिस टीम ने अपने स्थानीय सूत्रों की मदद से विभिन्न प्रकार की देशी व विदेशी शराब के 5700 पव्वे बरामद करने में कामयाबी हासिल की थी। इस अवसर पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्रीमती मेघना यादव, एसीपी गांधी नगर श्री सिद्धार्थ जैन, एसीपी श्री वेदप्रकाश सूर्य, इंस्पेक्टर अनिल मलिक, एसआई देशपाल, कां0 कपिल व कां प्रदीप** उपस्थित थे।



अच्छी तफतीश

थाना सीमापुरी इलाके में हुए दोहरे हत्याकांड को रिकॉर्ड समय में सुलझाने वाली पुलिस टीम की कार्यशैली को पुलिस आयुक्त ने सराहा



28 मार्च, 2019 को शाहदरा जिला के थाना सीमापुरी इलाके की दिलशाद कॉलोनी में हुए दोहरे हत्याकांड को अल्प समय में सुलझाने वाली पुलिस टीम की कार्यशैली की पुलिस आयुक्त ने सराहना करते हुए प्रोत्साहित किया। पुलिस टीम ने सीसीटीवी कैमरे, इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की मदद से दोहरे हत्याकांड को अंजाम देने के आरोप में अंकित व अमित नामक दो युवाओं को गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय कामयाबी हासिल की। दोनों अभियुक्तों ने पीड़ित श्रीमती वीना मल्होत्रा व उसके पुत्र रवि से 25 हजार रुपये का ऋण लिया था और वे इसे लौटाने में असमर्थ थे। मात्र 25 हजार का ऋण नहीं लौटने की मंशा से और घर में भारी नकदी व आभूषण मिलने की संभावना को लेकर अभियुक्तों ने श्रीमती वीना मल्होत्रा व उसके पुत्र रवि की हत्या के जघन्य अपराध को अंजाम दिया। पुलिस आयुक्त द्वारा **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्रीमती मेघना यादव व एसीपी श्री विकास शौकीन** की उपस्थिति में टीम को प्रोत्साहित किया गया।

पुलिस आयुक्त ने वाहन चोरों और लूटेरों के गिरोह का पर्दाफाश करने वाली पुलिस टीम को प्रोत्साहित किया



26 मार्च, 2019 को पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने शाहदरा जिला के थाना विवेक विहार की पुलिस टीम **इंस्पेक्टर मुकेश कुमार, एसआई प्रवेश, एएसआई ललित सिरोही, हेडकां0 नवीन, हेडकां0 सोनू, हेडकां0 दीपक, हेडकां0 कुलदीप, कां0 आस मोहम्मद, कां0 सौरभ तथा कां0 रिंकू** को इलाके में सक्रिय दुपहिया वाहन चोरों और लूटेरों के गिरोह का पर्दाफाश करने पर शाबाशी देते हुए भविष्य में इसी उत्साह के साथ काम करने के लिए प्रेरित किया। इस मौके पर **विशेष पुलिस आयुक्त श्री संदीप गोयल, संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री आलोक कुमार, उपायुक्त पुलिस श्रीमती मेघना यादव व एसीपी श्री मोहम्मद इकबाल** भी मौजूद थे।

विशेष पुलिस आयुक्त (संचार) ने सतर्क पीसीआर स्टाफ को पुरस्कृत किया

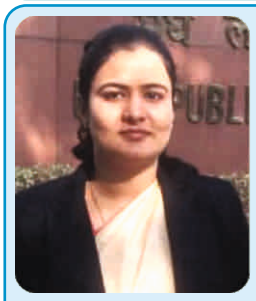




30 अप्रैल, 2019 को **विशेष पुलिस आयुक्त श्री एस.के.गौतम** ने पीसीआर वैन जेबरा–12 तथा लिब्रा 09 पर तैनात **एएसआई जगदीश, महिला कां0 संजू यादव, कां0 संदीप एवं महिला कां0 दया तथा एएसआई रामचन्द्र व कां0 मनोज** को समय पर त्वरित कार्यवाही कर अपराधियों को पकड़वाने पर नकद पुरस्कार व प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया। इस मौके पर **अति.उपा.पुलिस श्री शंकर चौधरी व इंस्पेक्टर मनोज शर्मा** भी उपस्थित थे। जेबरा –12 वैन पर तैनात स्टाफ ने दिल्ली कैंट इलाके में हनुमान मंदिर के पास केबल चोरी किये जाने की कॉल मिलने पर त्वरित कार्यवाही करते हुए न केवल बदमाशों को धर–दबोचा बल्कि उनके कब्जे से लगभग 200 किलो चोरी की गई वायर भी बरामद कर, उन्हें स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया। इसी तरह लिब्रा–09 वैन पर तैनात स्टाफ ने एक कार सवार से उसकी स्विफ्ट कार लूट कर भाग रहे बदमाशों का पीछा कर उन्हें बेगमपुर के निकट दबोचने में शानदार कामयाबी हासिल की थी।

हमारे नौनिहालों ने संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर अपने माता–पिता व पुलिस परिवार का मान बढ़ाया

यदि कोई अपने बुलंद हौसलों के साथ कड़ी मेहनत, निरंतर अभ्यास व पक्के इरादे के दमखम पर सफलता अर्जित करने की ठान ले तो निःसंदेह सफलता उसके दरवाजे पर दस्तक जरूर देती है। अपने इन्हीं इरादों के साथ सिविल सेवा परीक्षा में इस बार सफलता हासिल करने वाले पुलिस परिवारों के नौनिहालों ने न केवल अपने अभिभावकों का बल्कि दिल्ली पुलिस परिवार का भी नाम रोशन किया है। ऐसे प्रतिभाशाली बच्चों की सफलता पर उनके परिजनों/परिचितों और विभागीय सहयागियों को तो गर्व की अनुभूति होती ही है, बल्कि अन्य अभ्यार्थियों के लिए भी वे प्रेरणास्रोत बनते हैं। अपने देश व समाज के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना रखने वाले दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े इन सभी सफल युवाओं के उज्ज्वल एवं स्वर्णिम भविष्य के लिए समस्त दिल्ली पुलिस परिवार की तरफ से हार्दिक शुभकामनाएँ।



सुश्री नमिता शर्मा



एएसआई चरण सिंह शर्मा

सुश्री नमिता शर्मा ने इस वर्ष संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा (2018) में 145वां स्थान प्राप्त कर अपनी उत्कृष्ट प्रतिभा का प्रदर्शन किया है। सुश्री नमिता शर्मा के पिताजी **एएसआई चरण सिंह शर्मा**,लाइसेंसिंग शाखा में तैनात है और वर्तमान में पुलिस कॉलोनी अहाता किदारा में परिवार सहित रहते हैं। वर्तमान में सीजीएल परीक्षा के माध्यम से मुंबई स्थित वित्त मंत्रालय (जीएसटी प्रकोष्ठ) में काम करने वाली नमिता ने फिरोज़शाह रोड स्थित लेडी इर्विन स्कूल से 12वीं कक्षा उर्त्तीण करने के बाद आईपी कॉलेज से बी.टेक की शिक्षा प्राप्त कर प्रतियोगी परीक्षाओं में शामिल होने लगी। समाज शास्त्र विषय में संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में अपने तीसरे प्रयास में सफलता का परचम लहराने वाली नमिता का कहना है कि वित्त मंत्रालय में नौकरी के बाद उसमें सिविल सेवा परीक्षा के सफलता प्राप्त करने के प्रति आत्मविश्वास ज्यादा मजबूत हुआ और उन्होंने उसी विश्वास का भरपूर लाभ उठाया। अपनी सफलता का पूरा श्रेय अपने अभिभावकों को देते हुए नमिता ने बताया कि भविष्य में मेरा प्रयास होगा कि समाज की सभी संकीर्णताओं से उपर उठ कर निष्पक्षता और ईमानदारी के साथ अपना दायित्व निभाऊँ। मूलरूप से गांव एलम, जिला शामली, उत्तर प्रदेश के रहने वाले एएसआई चरण सिंह अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान में रखकर अपने परिवार को दिल्ली लाए और अपने सामर्थ्य के हिसाब से बच्चों की अच्छी शिक्षा व परवरिश पर ध्यान दिया। एएसआई चरण सिंह का कहना है कि उन्होंने हमेशा अपने बच्चों को किताबी ज्ञान के साथ–साथ व्यवाहारिक एवं अच्छे संस्कारों पर चलने के लिए प्रेरित किया है।



सुश्री पूजा गुप्ता



एएसआई रेखा गुप्ता

सुश्री पूजा गुप्ता सुपुत्री **एएसआई रेखा गुप्ता** ने अपने प्रथम प्रयास में ही संघ लोक सेवा आयोग परीक्षा में 147वां स्थान प्राप्त कर सभी को अचंभित कर दिया है। जुझारू प्रवृत्ति की पूजा ने बताया कि इसने बचपन से ही अपनी माँ को वर्दी में देखा हैं इसलिए उसके मन में आईपीएस अधिकारी बनकर समाज हित में, विशेषकर महिलाओं और असहाय लोगों के लिए कुछ कर गुजरने की तमन्ना रही है। पूजा ने कहा कि वह अपनी माता जी से ज्यादा प्रभावित है क्योंकि उन्होंने अपनी व्यस्तता के बावजूद हर कदम पर पूजा का साथ दिया और उचित मार्गदर्शन भी किया। आज जब मेरा सपना साकार हुआ है तो मैं बेहद खुश और उत्साहित हूँ । एंथ्रोपॉलॉजी विषय में सिविल सेवा परीक्षा का लक्ष्य प्राप्ति करने वाली पूजा का कहना है कि सिविल सेवा परीक्षा के लिए ज्यादा कुशाग्र होना इतना जरूरी नहीं है, जितना उसके लिए निरंतर अभ्यास और पढ़ाई के प्रति चौकन्ना रहने की जरूरत है। साथ ही अपने अभिभावकों के सहयोग को अपनी सफलता का श्रेय देने वाली पूजा का कहना है कि सेक्टर–15 रोहिणी स्थित ईएसआई अस्पताल से बीडीएस की डिग्री लेने के बाद वह अपने सपने को साकार करने में जुट गई थी और जिस दिन उसे सिविल सेवा की प्रारंभिक परीक्षा में पास होने की जानकारी मिली, उसी दिन से उसने स्वयं को लिखित परीक्षा की तैयारी के लिए पूरी तरह समर्पित कर दिया। दिल्ली के लेखू नगर, त्रिनगर निवासी सुश्री पूजा गुप्ता के परिवार में उनकी माताजी एएसआई रेखा गुप्ता (उत्तरी जिला पुलिस कंट्रोल रूम में तैनात) व पिताजी श्री राजकुमार गुप्ता (प्राइवेट अकाउंटैंट) हैं तथा छोटी बहन कृतिका बीएससी द्वितीय वर्ष की छात्रा है।



सुश्री कनिष्का सिंह



इंस्पेक्टर भूप सिंह

सुश्री कनिष्का सिंह सुपुत्री **इंस्पेक्टर भूप सिंह** ने अपने द्वितीय प्रयास में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित इस परीक्षा (2018) में 416 रैंक प्राप्त कर अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। पश्चिमी जिला में तैनात इंस्पेक्टर भूप सिंह मूलरूप से गांव सुनारिया, जिला रोहतक (हरियाणा) के हैं और वर्तमान में आर.के.पुरम् सैक्टर–12 स्थित पुलिस कॉलोनी में रहते है। इनकी सुपुत्री कनिष्का ने अपनी सफलता का श्रेय अपने परिवार, विशेषकर अपनी माँ श्रीमती अनिता सिंह को देते हुए बताया कि विदेश सेवा उसकी प्राथमिकता रही है फिर भी जो सर्विस मिलेगी, उसी के अनुरूप अपना सर्वश्रेष्ठ करेगी। दिल्ली पुलिस परिवार से जुड़े होने पर गर्व महसूस करने वाली कनिष्का कहती है कि एक पुलिस अधिकारी समाज में सेवा व नौकरी की दोहरी भूमिका निभाता है तथा उन्होंने अपने पिता से ये सीखा है कि परिस्थितियाँ चाहे जैसी भी हों इंसान को सबसे पहले स्वयं पर विश्वास होना चाहिए। मनोविज्ञान विषय में सिविल सेवा परीक्षा में सफलता अर्जित करने वाली कनिष्का का कहना है कि वह अपने उसूलों, ईमानदारी और निष्ठा से कभी नहीं हटेंगी चाहे परिस्थितियाँ कैसी भी हों। उन्होंने कहा कि एक लड़की होने के नाते मेरा मानना है कि हमारे समाज में महिलाओं की शिक्षा, सुरक्षा और आत्मविश्वास सृजन करने की दिशा में अभी बहुत काम करने की जरूरत है। कनिष्का का कहना है कि मैं इस बात से ज्यादा उत्साहित एवं खुश हूँ कि मैं अपने अभिभावकों एवं अपने शुभचिंतकों के सपने को पूरा कर सकी। विलक्षण प्रतिभा की धनी कनिष्का द्वारा कक्षा 10वीं एवं 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं में बेहतरीन प्रदर्शन करने पर भी उनका नाम दिल्ली पुलिस समाचार पत्रिका में भी प्रकाशित गया गया था।

पुलिस परिवार से जुड़े इन नौनिहालों की अपार सफलता पर पुलिस आयुक्त सहित सभी वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने उनके उज्जवल भविष्य के लिए अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं।

बाहरी–उत्तर जिला में युवा योजना के अंतर्गत कौशल एवं रोजगार मेला आयोजित



सामाजिक व्यवस्था के सुचारू संचालन में दिल्ली पुलिस भी अपने मूल दायित्व से कहीं आगे बढ़कर बेराजगार युवाओं को समाज की मुख्य धारा में शामिल करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहती है। इसी दिशा में 16 मार्च, 2019 को बाहरी–उत्तर जिला पुलिस ने बवाना स्थित राजीव गांधी स्टेडियम में दिल्ली पुलिस की युवा योजना के तहत श्री राधा कृष्ण इंफोटेक प्रा0 लि0 के सहयोग से कौशल एवं रोजगार मेला आयोजित किया गया। इस मौके पर जिले के उपायुक्त पुलिस श्री गौरव शर्मा, अति.उपायुक्त पुलिस श्री घनश्याम बंसल, अति. उपा.पुलिस श्री विक्रम एच.एम.मीणा बवाना के थानाध्यक्ष श्री धर्मदेव के साथ–साथ मेले में भाग लेने आए लगभग 822 युवा उपस्थित थे। इस कौशल एवं रोजगार मेले में 27 प्रसिद्ध कंपनियों के एच.आर (प्रबंधक) भी उपस्थित थे। थाना बवाना के थानाध्यक्ष धर्मदेव के प्रयास से आयोजित इस रोजगार मेले में 479 युवाओं (लड़के–लड़कियाँ दोनों) को मौके पर ही नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया। जबकि 260 युवाओं को स्थाई नियुक्ति के लिए 3 महीने के प्रशिक्षण के लिए चयनित किया।

एएसआई नरेन्द्र के सुपुत्र व सुपुत्री दोनों ने स्पेशल एजूकेटर टीचर प्रतियोगिता में पाया श्रेष्ठ स्थान



विशेषता पूनिया



विशेष पूनिया



एएसआई नरेन्द्र पूनिया

चतुर्थ वाहिनी में तैनात एएसआई नरेन्द्र पूनिया स्वयं को काफी भाग्यशाली मानते हैं कि रोजगार प्राप्ति की दौड़ में उसके दोनों ही बच्चों ने कम आयु में ही सफलता अर्जित कर उन्हें चिंतामुक्त कर दिया है। डी.एस.एस.एस.बी द्वारा आयोजित पीआरटी परीक्षा में एएसआई नरेन्द्र पूनिया के सुपुत्र विशेष कुमार पूनिया ने स्पेशल एजूकेटर टीचर प्रतियोगिता में प्रथम स्थान जबकि सुपुत्री विशेषता पूनिया ने भी उसी परीक्षा में 28वां स्थान प्राप्त कर विलक्षण प्रतिभा का परिचय दिया है। 10वीं कक्षा में बागपत जिला में टॉप करने वाले विशेष पूनिया व उसकी बहन विशेषता पूनिया स्पेशल एजूकेटर टीचर का कोर्स करने के बाद पहली बार ही इस प्रतियोगिता में शामिल हुए थे। प्रारंभिक शिक्षा के क्षेत्र में रोजगार प्राप्ति के लिए स्पेशल एजूकेटर टीचर का कोर्स काफी महत्वपूर्ण माना जाता है। इस कोर्स के माध्यम से अध्यापक पद पर रोजगार पाने वाले अध्यापक दिल्ली सरकार व नगर निगम के विद्यालयों में विकलांग बच्चों को पढ़ाने में विशेष तौर पर पारंगत होते हैं। इसके साथ ही एक विशेष बात यह है भी कि एएसआई नरेन्द्र पूनिया को आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों और औषधियों का अच्छा खासा ज्ञान है जिससे न केवल उसके सहकर्मी लाभान्वित होते है बल्कि कई मौकों पर वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भी उनके औषध ज्ञान से लाभान्वित होते हैं।

सुपुत्री और पुत्रवधु दोनों के एस.आई पद पर चयनित होने पर फूले नहीं समा रहे हेड कां0 राजकुमार



सुश्री निशा



श्रीमती सुरेखा



हेडकां. राजकुमार

ट्रैफिक के बवाना सर्किल में तैनात हेड कां0 राजकुमार आजकल खुशी से फूले नहीं समा रहे क्योंकि हरियाणा के दूर–दराज गांव के रहने वाले राजकुमार की सुपुत्री निशा और पुत्रवधु सुरेखा दोनों ही ने एसएससी द्वारा आयोजित सीपीओ परीक्षा में सफलता हासिल करते हुए एक साथ दिल्ली पुलिस में एसआई के पद पर नियुक्ति पाई है। हरियाणा के महेन्द्रगढ़ जिले के रहने वाले हेडकां0 राजकुमार ने बताया कि मेरे पैतृक गांव में आज भी सड़क, परिवहन, कोचिंग सेंटर व अन्य मूलभूत सुविधाओं की कमी होने के बावजूद मैने अपने बच्चों की शिक्षा पर पूरा ध्यान दिया है। कुछ वर्ष पूर्व उनकी उच्च शिक्षा को देखते हुए मैने नरेला स्थित पुलिस कॉलोनी में शिफ्ट किया और पुत्री और पुत्रवधु दोनों को दिल्ली में कोचिंग दिलाई और अपनी कड़ी मेहनत के दम पर पहले प्रयास में ही सीपीओ (केंद्रीय पुलिस संगठन) की परीक्षा पास करते हुए दिल्ली पुलिस में एसआई पद पर नियुक्ति पाने में सफल रहीं। हेड कां0 राजकुमार का कहना है कि सुपुत्री निशा और पुत्रवधु सुरेखा की सफलता केवल हमारे लिए ही गर्व की बात नहीं है, बल्कि यह मेरे गांव की सैकड़ों लड़कियों के उत्साहवर्धन के लिए अनुकरणीय उदाहरण है।

16 देशों के बीच हुई जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में दिल्ली पुलिस के हेडकां0 प्रवीण कुमार ने द्वितीय स्थान हासिल किया



हेडकां0 प्रवीण कुमार

सवाई मानसिंह इंडोर स्टेडियम, जयपुर, राजस्थान में आयोजित कॉमनवेल्थ जूडो चैम्पियनशिप प्रतियोगिता में दिल्ली का प्रतिनिधित्व करते हुए दिल्ली पुलिस के **हेडकां0 प्रवीण कुमार** ने 100 किलोग्राम की प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त कर देश व विभाग का नाम रोशन किया है। जूड़ो फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में 16 देशों के कुशल जूडो खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। हेडकां0 प्रवीण कुमार साउथ अफ्रिका के खिलाड़ी को परास्त कर फाइनल में प्रवेश किया और द्वितीय स्थान पर रहे। एनआईएस कोच रहे हेडकां0 प्रवीण कुमार दिल्ली पुलिस की स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमिन एंड चिल्ड्रन की महिला टीम को भी प्रशिक्षित करते है। कोच हेड कां0 मुकेश के सानिध्य में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले हेडकां0 प्रवीण कुमार देश में आयोजित होने वाली विभिन्न जूडो प्रतियोगिताओं में अपने श्रेष्ठ प्रदर्शन से पदक जीत कर अपने देश व विभाग का नाम पहने भी रोशन करते रहे हैं।

इंस्पेक्टर पिता के पदचिन्हों पर चलते पुत्र ने भी पेंटिंग में राष्ट्रीय स्तर पर बनाई अपनी पहचान



इंस्पेक्टर धर्मेश यादव अपनी कलाकृति के साथ



इंस्पेक्टर धर्मेश यादव के पुत्र आर्य यादव द्वारा बनाई गई पेंटिंग की एक झलक

कहा जाता है कि एक पेंटिंग की मदद से हजारों शब्द लिखे जा सकते है परन्तु हजारों शब्दों की मदद से एक पेंटिंग बनाना बहुत मुश्किल होता है और एक सफल पेंटर अपनी एक पेंटिंग की मदद से हजारों शब्दों के बराबर एक सारगर्भित संदेश देने में हमेशा सफल रहता है। इसी दिशा में द्वारका (पीटीसी) में तैनात इंस्पेक्टर धर्मेश यादव अपनी पेंटिंग में प्राकृतिक सौंदर्य, धार्मिक भावनाओं और सामाजिक समरसता से जुड़ी भावनाओं को बखूबी उकेरने के लिए हमेशा चर्चित रहे हैं। स्कूल, कॉलेज और अब पुलिस सेवा में रहते हुए शौकिया तौर पर पेंटिंग करने वाले इंस्पेक्टर धर्मेश यादव के सुपुत्र आर्य यादव ने भी अपने पिता के पदचिन्हों पर चलते हुए पेंटिंग के क्षेत्र में अच्छा–खासा नाम कमाया है। गुडगांव स्थित दिल्ली पब्लिक स्कूल की 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले आर्य यादव का चयन आईआईटी मुबंई (डिज़ाईनिंग)में हुआ है। इनटेक (इंडियन नेशनल ट्रस्ट फॉर आर्ट एंड कल्चर हेरीटेज़) द्वारा आयोजित पेंटिंग प्रतियोतगिता में राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले आर्य यादव ने अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चीन व कज़ाकिस्तान में आयोजित पेंटिंग प्रतियोगिताओं मे श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर दिल्ली व दिल्ली पुलिस परिवार का नाम रोशन किया है।

इंस्पेक्टर उर्मिल पसरीचा की सुपुत्री कृतिका द्वारा यूनिवर्सिटी लेवल पर इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी में स्वर्ण पदक जीतने पर पुलिस परिवार के युवा वर्ग में जोश



पुलिस आयुक्त के वित्त सलाहकार कार्यालय में तैनात इंस्पेक्टर उर्मिल पसरीचा की सुपुत्री कृतिका पसरीचा ने बैचलर ऑफ़ टेक्नोलॉजी (इन्फॉर्मेशन) में प्रथम श्रेणी प्राप्त कर अपने संस्थान इंदिरा गांधी दिल्ली महिला तकनीकी विशविद्यालय के साथ–साथ दिल्ली पुलिस परिवार का सम्मान बढ़ाया है। माननीय उपराज्यपाल श्री अनिल बैज़ल की अध्यक्षता में कॉलेज परिसर में आयोजित दीक्षांत समारोह में दिल्ली के उप–मुख्यमंत्री श्री मनीष सिसोदिया ने कृतिका को '' कुलपति स्वर्ण पदक '' प्रदान कर प्रोत्साहित किया। कृतिका अपनी अभिरुचि के अनुसार पुलिस परिवारों से जुड़े बच्चों को रोजगार दिलाने की दिशा में इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी की महत्ता के बारे में जानकारी देती रहती है। कृतिका का कहना है कि उन्हें गर्व है कि वे देश के एक श्रेष्ठ पुलिस परिवार का हिस्सा है जो मुझे दबाव की स्थिति में भी प्रफुल्लित एवं अनुशासित रहने की शिक्षा देता है।

आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया और कई प्रमुख खेल संगठनों ने हेडकां0 हरीश की निशानेबाजी प्रतिभा का लोहा माना



हेडकां0 हरीश मान

पीसीआर में तैनात हेडकां0 हरीश ने दिल्ली ओलपिंक एसोसिएशन एवं आर्चरी एसोसिएशन ऑफ इंडिया द्वारा आयोजित दिल्ली स्टेट आर्चरी चैम्पियनशिप प्रतियोगिता 2018 की व्यक्तिगत खेल प्रतियोगिता में कांस्य पदक एवं ओवर ऑल खेल प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीतकर दिल्ली पुलिस परिवार का नाम रोशन किया है। देश के विभिन्न भागों में आयोजित होने वाली ऑल इंडिया पुलिस आर्चरी चैम्पियनशिप, राष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता चैम्पियशिप, नेशनल आर्चरी चैम्पियनशिप में भाग लेने के साथ–साथ राष्ट्रीय खेल प्राधिकरण द्वारा आयोजित ग्रेड–ए सर्टिफिकेट स्पोर्टस कोच प्रशिक्षण कोर्स में अपनी प्रतिभा का श्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले हेडकां0 हरीश को समय समय पर प्रशंसा पत्र एवं मेडल से सम्मानित किया गया है। पंजाब, कर्नाटक, पश्चिम बंगाल, नागालैंड, औरंगाबाद, झारखंड, इम्फाल जैसे राज्यों में आयोजित हुई आर्चरी प्रतियोगिता में घूम मचाने वाले हेडकां0 हरीश का कहना है कि प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण उन्हें समय पर उचित प्लेटफार्म व मार्गदशन नहीं मिल पाया जिसकी वजह से वे अपनी प्रतिभा का अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन नहीं कर पाये। परंतु उन्होंने हार नहीं मानी और अपने इस शौक को जारी रखा। वे अभी भी सफलता के नए आयाम स्थापित करने के लिए मेहनत कर रहे हैं।

हेडकां0 माया के पुत्र ने पीजी रेडियोलॉजिस्ट प्रतियोगिता में श्रेष्ठ स्थान पाया



अभिषेक गुप्ता



हेडकां0 माया गुप्ता

स्पेशल पुलिस यूनिट फॉर विमिन एंड चिल्ड्रन में तैनात महिला हेडकां0 माया गुप्ता के पुत्र अभिषेक गुप्ता ने अखिल भारतीय स्तर पर आयोजित रेडियोलॉजिस्ट पीजी प्रतियोगिता में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त कर अपने अभिभावकों का मान बढ़ाया है। अखिल भारतीय स्तर पर 616वां स्थान प्राप्त कर अभिषेक गुप्ता ने मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में रेडियालॉजिस्ट पीजी की 3 वर्षीय डिग्री में प्रवेश लिया है। अभिषेक गुप्ता बताया कि हालांकि भविष्य में अपने चिकित्सीय पेश के प्रति ईमानदार रह कर लोगों की सेवा करूंगा परंतु मेरे मन में पुलिस कर्मियों के प्रति विशेष सम्मान का भाव है, मैं कोशिश करूंगा कि मेरा यह भाव जीवन पर्यंत बना रहे।

माह दिसम्बर–18 व जनवरी, 2019 के दौरान उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों को अंजाम देने वाले 12 सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स पुलिस आयुक्त द्वारा सम्मानित

2 अप्रैल, 2019 को पुलिस मुख्यालय में आयोजित एक कार्यक्रम में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** ने विभिन्न परिक्षेत्रों के सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स को उनके उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्यों के लिए प्रशंसा पत्र व नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इन सर्वश्रेष्ठ बीट ऑफिसर्स ने अपनी–अपनी बीट में ड्यूटी के दौरान अपराध एवं अपराधियों पर अंकुश लगाने, गुप्त सूचनाएँ एकत्रित करने तथा क्षेत्र के नागरिकों के साथ बेहतरीन सामंजस्य स्थापित करने में उल्लेखनीय कामयाबी हासिल की। **कां0 सुनील कुमार (थाना दिल्ली कैंट, नई दिल्ली परिक्षेत्र), कां0 नवीन (थाना आनंद पर्वत, मध्य परिक्षेत्र) तथा कां0 नीतिन कुमार वत्स (थाना ज्योति नगर, पूर्वी परिक्षेत्र) किन्हीं जरूरी कारणों से इस मौके पर उपस्थित नहीं हो सके।**



कां0 रोहित कुमार
(थाना हजरत निजामुद्दीन, दक्षिणी परिक्षेत्र)



कां0 सचिन
(थाना सुलतानपुरी, पश्चिमी परिक्षेत्र)



एएसआई चन्दर पाल
(थाना बुराड़ी, मध्य परिक्षेत्र)



कां0 अरूण कुमार
(थाना नंद नगरी, पूर्वी परिक्षेत्र)



हेड कां0 जितेन्द्र सिंह
(थाना मॉडल टाउन, उत्तरी परिक्षेत्र)



हेडकां0 विरेन्द्र सिंह
(थाना पंजाबी बाग, पश्चिमी परिक्षेत्र)



कां0 सुरेश कुमार
(थाना बवाना, उत्तरी परिक्षेत्र)



कां0 सुनील हुड्डा
(थाना साकेत, दक्षिणी परिक्षेत्र)



कां0 जीवन
(थाना मंदिर मार्ग, नई दिल्ली परिक्षेत्र)

नए पुलिस मुख्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर

पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय में **पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक** की अध्यक्षता में नए पुलिस मुख्यालय के निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा को लेकर बैठक आयोजित की गई जिसमें नए पुलिस मुख्यालय के निर्माण कार्य में और गति लाए जाने के संबंध में दिशा–निर्देश जारी किए। स्मरण दिलाया जाता है कि संसद मार्ग थाने के पीछे जयसिंह रोड पर 8 एकड़ भूमि पर पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल पर आधारित नए पुलिस मुख्यालय का निर्माण कार्य प्रगति पर है। जनवरी 2016 में शुरू हुए और 202 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित होने वाले इस नए मुख्यालय की 18 मंजिल बन कर तैयार हो चुकी है। बेहद अत्याधुनिक तरीके से बनाए जा रहे इस मुख्यालय में सभी आधुनिक एवं तकनीकी सुविधाओं को समाहित किया गया है, विशेषकर वाहन पार्किंग का। सभी मंजिलों पर आंतरिक साज़–सज्जा का कार्य चल रहा है। संभावना जताई जा रही है कि आगामी कुछ माह में ही पुलिस आयुक्त सहित अधिकांश वरिष्ठ अधिकारियों के कार्यालय नए मुख्यालय में स्थानांतरित हो जायेंगे। 16 फरवरी, 1948 को (जिस दिन हम अपना पुलिस स्थापना दिवस भी मनाते है) दिल्ली पुलिस के अपने स्वतंत्र अस्तित्व में आने के बाद पहला पुलिस मुख्यालय कश्मीरी गेट में रिट्ज़ सिनेमा के निकट एक छोटी सी बिल्डिंग में बनाया गया था। किंतु पुलिस बल का विस्तार होने के साथ ही कुछ वर्ष बाद पुलिस मुख्यालय को 1952 दारा शिकोह लाइब्रेरी में जो कि अब आई.पी. यूनिवर्सिटी का हिस्सा है, में स्थानांतरित किया गया। 1 जनवरी, 1976 को पुलिस मुख्यालय वर्तमान बिल्डिंग में स्थानांतरित हुआ।

शुभकामनाएँ

माह जनवरी एवं फरवरी, 2019 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाइयों से 187 पुलिसकर्मी सेवानिवृत्त हुए हैं। इनमें से 8 पुलिसकर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। दिल्ली पुलिस परिवार सेवानिवृत्त हुए सभी पुलिसकर्मियों के अच्छे स्वास्थ्य व दीर्घायु की कामना करता है।

जनवरी माह में सेवानिवृत्त 113 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– एएसआई उधम सिंह व एएसआई सत्यपाल सिंह **(पुलिस मुख्यालय)**, एएसआई अरूण कुमार, एएसआई वेदप्रकाश, हेडकां0 चांद राम **(शाहदरा जिला)**, एसआई धर्मबीर सिंह, एमटीएस धर्मबीर, एमटीएस छोटेलाल **(पीटीसी)**, इंस्पेक्टर कमल शर्मा, इंस्पेक्टर सूर्य प्रकाश, एसआई जयपाल शर्मा, एसआई ओंकार दत्ता, एसआई रमेशचंद, एसआई हरेन्द्र कुमार सिंह, एएसआई सूरत सिंह, एएसआई इन्दर सिंह, एएसआई रामकिशन, एएसआई वेदपाल, एएसआई रमेशचंद, एएसआई अजीत सिंह, एएसआई सुरेन्द्र सिंह तथा हेडकां0 नरेश सिंह राणा **(पीसीआर)** इंस्पेक्टर यज्ञदत्त व एमटीएस रूपराम **(तृतीय वाहिनी)**, इंस्पेक्टर कामख्या नारायण सिंह व एसआई सुरेश कुमार **(अपराध शाखा)**, एएसआई राजपाल सिंह व एएसआई प्रेमनाथ **(एफआरआरओ)**, एसआई रामफूल, एसआई महिपाल सिंह, एएसआई वेदप्रकाश **(स्पेशल सेल)**, एसआई रामकिशन, एसआई वेदपाल, एएसआई चन्देश्वर प्रसाद **(रोहिणी जिला)**, एएसआई नौरंग सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, एसआई अनिल कुमार, एएसआई रामचन्द्र, महिला एएसआई राजवती देवी, एएसआई कंछी लाल **(उत्तर–पश्चिमी जिला)**, इंस्पेक्टर खेमचंद कौशिक, एसआई जगमहेन्द्र सिंह, एसआई धर्मबीर सिंह, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई सुभाष चंद **(पूर्वी जिला)**, एएसआई बलबीर सिंह, एएसआई अमरचंद, एमटीएस ओमी **(दक्षिण–पूर्वी जिला)**, इंस्पेक्टर विनोद कुमार त्यागी, इंस्पेक्टर सिकंदर लाल, एसआई राजेन्द्र सिंह, एसआई सुभाषचन्दर **(संचार शाखा)**, हेडकां0 रमेश चंद **(द्वितीय वाहिनी)**, इंस्पेक्टर रामअवतार शर्मा, इंस्पेक्टर चन्दर भान सिंह, एसआई रमेश चंद, एमटीएस साधुराम **(विशेष शाखा)**, एएसआई जयभगवान, एमटीएस बाबूलाल एमटीएस स्वामीनाथ शाह **(प्रथम वाहिनी)**, एसआई राकेश कुमार, एमटीएस रमेश कुमार (दक्षिण–पश्चिमी जिला), एएसआई वजीर सिंह **(राष्ट्रपति भवन)**, एसआई दुर्गाप्रसाद, एसआई सुचित्र कुमार, हेडकां0 महेन्द्र सिंह, एमटीएस रामसिंह, महिला एमटीएस कलावती **(पश्चिमी जिला)**, एएसआई गंगादत यादव, एएसआई रघुनाथ सिंह **(दक्षिणी जिला)**, महिला इंस्पेक्टर संतोष कुमार, एसआई ओमपाल सिंह, एसआई ओमपाल सिंह, एसआई गरीबदास, एसआई हबीब अहमद, एसआई हीरालाल, एसआई सुरेन्द्र सिंह, एसआई सुरेश कुमार, एसआई बैनिडिक्ट कूल्लु, एस.आई शीश पाल सिंह तेवतिया, एसआई साजन सिंह, एएसआई योगेन्द्र पाल सिंह, एएसआई शील कुमार, एएसआई किशन पाल यादव, एएसआई बालकराम, एएसआई श्योराज सिंह **(सुरक्षा)**, इंस्पेक्टर सुदेश कुमार शर्मा, एसआई ओमबीर सिंह, एएसआई जयचंद, एएसआई रामस्नेही, एएसआई भूरि सिंह, एएसआई रविन्द्र कुमार **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, कां0 हंसराज, एसआई आनंद प्रकाश, एसआई सोहन बीर सिंह, एमटीएस महेन्द्र सिंह **(द्वारका जिला)**, एएसआई मनोहर लाल **(पीएंडएल)**, एएसआई बलकार सिंह व एएसआई राजेन्द्र सिंह **(उत्तरी जिला)**, एमटीएस जयबहादुर **(आईजीआई एयरपोर्ट)**, महिला एसआई कमलेश कुमारी व एएसआई चरण सिंह **(बाहरी जिला)**, एसआई ब्राइस इंदवर **(नई दिल्ली जिला)**, एसआई इन्दरपाल सिंह व एसआई अश्विनी कुमार **(मध्य जिला)**, तथा एसआई रमेश लाल व एसआई राशिद अहमद **(चतुर्थ वाहिनी)**।

फरवरी माह में सेवानिवृत्त 74 पुलिसकर्मियों में शामिल हैं :– इंस्पेक्टर सुभाष चंद, इंस्पेक्टर विजय कुमार चोपड़ा, एएसआई सुधीरेन्द्र कुमार, तथा एमटीसी मोहिनी देवी **(नई दिल्ली जिला)**, एएसआई चन्दर शेखर, एएसआई साहिब सिंह, एएसआई सुरेश कुमार, तथा हेडकां0 जयसिंह **(दक्षिणी जिला)**, एसआई जगदीश **(पश्चिमी जिला)**, एएसआई रामबीर सिंह तथा एमटीएस श्रीपाल **(मुख्यालय)**, एएसआई धनीराम व एएसआई प्रेम सिंह **(शाहदरा जिला)**, एसआई आत्मा राम **(आर.पी. भवन)**, एएसआई देशराज **(आईजीआईए)**, एसआई अमरजीत सिंह (एफआरआरओ), इंस्पेक्टर श्योराज सिंह, एसआई सतेन्द्र कुमार, हेडकां0 राजेश कुमार तथा एमटीएस कुंता देवी **(अपराध शाखा)** एएसआई बलवान सिंह **(उत्तर पश्चिमी जिला)**, एसआई सतबीर सिंह छिल्लर **(पीटीसी)**, एसआई श्याम लाल **(दक्षिण–पश्चिमी जिला)**, एसआई अनूप सिंह, एएसआई कुलदीप सिंह व एएसआई देवेन्द्र सिंह **(रोहिणी जिला)**, एसआई बलबीर सिह, एसआई रघुबीर सिंह, एएसआई रणधीर सिंह, हेडकां0 राजसिंह **(बाहरी जिला)**, एसआई बलजीत राज व एएसआई कवंर पाल **(संचार शाखा)**, एसआई बिमला सिंह, एसआई बिरेन्द्र सिंह, एसआई सतीश कुमार व एएसआई राजपाल **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एसआई जयपाल सिंह, एसआई प्रेम कुमार, एसआई हेम चन्दर, एसआई अमन सिंह, एएसआई विजय भान यादव, एएसआई साधु राम, एएसआई रणबीर सिंह, एएसआई महेन्द्र सिंह, एएसआई सुरेश कुमार तथा एमटीएस गुरदीन लाल, एसआई बाबू लाल, एसआई गजेन्द्र सिंह **(सुरक्षा)**, एएसआई आस मोहम्मद, **(स्पेशल ब्रांच)**, इंस्पेक्टर करतार सिंह, एसआई हरीशंकर, एएसआई देवेन्द्र कुमार **(पीएंडएल)**, एएसआई गजराज प्रसाद मीणा, व एएसआई दीवान चंद **(मध्य जिला)** एसआई मीर सिंह **(आर्थिक अपराध प्रकोष्ठ)**, एसआई बलविन्दर सिंह व एएसआई जयप्रकाश **(ट्रेफिक)**, एसआई पूर्णचंद, महिला एएसआई हरजीत कौर **(उत्तरी जिला)**, एसआई मनोहर लाल व कां0 सुलतान सिंह **(चतुर्थ वाहिनी)**, एसआई अश्वनी कुमार, एसआई कृष्ण कुमार, एसआई प्रीतमराज, एसआई आनंद सिंह, एसआई जगदीश प्रसाद, एएसआई कमलेशवर तिवारी, एएसआई सत्यपाल सिंह, एएसआई सोमराज, एएसआई परशुराम, एएसआई कमला प्रसाद, एएसआई धर्मबीर सिंह तथा एएसआई राजकुमार **(पीसीआर)**।

श्रद्धांजलि

माह फरवरी व मार्च, 2019 के दौरान दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला/ईकाईयों में तैनात 27 पुलिसकर्मियों की सेवाकाल के दौरान भिन्न–भिन्न कारणों से मृत्यु हो गई। असमय बिछुड़ गए अपने इन साथियों को दिल्ली पुलिस परिवार अपनी भाव–भीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता है और उनके शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट करता है।

फरवरी माह में दिवंगत 16 पुलिसकर्मियों में शामिल है :– इंस्पेक्टर देवराज सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, महिला एएसआई रजनी शर्मा, कां0 सुरेन्द्र कुमार व कां0 सुरेश कुमार सोनवाल **(पीसीआर)**, एएसआई जगबीर सिंह **(पीटीसी)**, एएसआई आसिफ अली **(पूर्वी जिला)**, महिला एसआई हरमीत कौर (संचार शाखा), एएसआई ओमबीर सिंह तथा हेडकां0 सुरेन्द्र सिंह **(यातायात)**, एमटीएस कन्हैया लाल **(उत्तर–पूर्वी जिला)**, एएसआई मामचंद **(प्रथम वाहिनी)**, एएसआई रामपाल व कां0 राजेन्द्र सिंह **(दक्षिणी जिला)**, एमटीएस वेगपाल **(द्वितीय वाहिनी)** तथा हेडकां0 दयानंद **(पश्चिमी जिला)**।

मार्च माह में दिवंगत 11 पुलिसकर्मियों में शामिल है :– एएसआई अशोक कुमार **(रोहिणी)**, एएसआई सतेन्द्र सिंह व एएसआई दिलबाग सिंह **(यातायात)**, एएसआई रविन्द्र सिंह **(सातवीं वाहिनी)**, एएसआई राजकुमार वर्मा **(संचार)**, एएसआई दुष्यंत कुमार **(तृतीय वाहिनी)**, एएसआई सुरेन्द्र कुमार व हेडकां0 गिरी गोस्वामी **(पीसीआर)**, एएसआई सुरेश कुमार **(दक्षिणी पश्चिमी जिला)**, एसआई राजबीर सिंह **(पीटीसी द्वारका)** तथा हेडकां0 शिव कुमार **(नई दिल्ली जिला)**।

31 मार्च व 30 अप्रैल, 2019 को सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारीगण



1987 बैच दानिप्स अधिकारी श्री ब्रह्म सिंह अतिरिक्त आयुक्त पुलिस (सशस्त्र पुलिस) के पद से 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए। वर्ष 2002 में आईपीएस में शामिल होने वाले श्री ब्रह्म सिंह ने दिल्ली पुलिस की विभिन्न जिला व ईकाईयों में काम किया।



एसीपी श्री किशोर कुमार सोलानी
(तृतीय वाहिनी)



एसीपी श्री सुरेन्द्र कुमार दहिया
(मध्य जिला)

फोटो : रोज़र जोसफ



एसीपी श्री राजेन्द्र प्रसाद सैनी
(उत्तरी जिला)



एसीपी श्री रणबीर सिंह खत्री
(रोहिणी जिला)



एसीपी श्री नरेन्द्र चावला
(सुरक्षा)



श्री प्रीत सिंह सांगवान
(राष्ट्रपति भवन)



एसीपी श्री मोहम्मद इकबाल (शाहदरा जिला)

सेवानिवृत्त पुलिस अधिकारियों के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन

31 मार्च, 2019 को 17, मदर टेरेसा क्रिसेंट मार्ग स्थित राजपत्रित अधिकारी मैस में सेवानिवृत्त संयुक्त पुलिस आयुक्त श्री अरुण कंपानी एवं अतिरिक्त आयुक्त पुलिस श्री ब्रह्म सिंह के सम्मान में रात्रि भोज का आयोजन किया गया। पुलिस आयुक्त श्री अमूल्य पटनायक ने श्री अरुण कंपानी व श्री ब्रह्म सिंह को तथा समिति की अध्यक्षा श्रीमती सूचना पटनायक ने श्रीमती संगीता कंपानी एवं श्रीमती विमेश सिंह को पुष्प गुच्छ भेंट कर उनके अच्छे स्वास्थ्य एवं दीर्घायु के लिए शुभकामनाएं दीं।





श्रीमती संगीता कंपानी एवं श्री अरुण कंपानी





श्रीमती विमेश सिंह एवं श्री ब्रह्म सिंह



सम्पादक

सम्पादक : श्री राजीव रंजन, उपायुक्त पुलिस (पुलिस आयुक्त के स्टाफ ऑफिसर)
सह-सम्पादक : निरीक्षक सतबीर सिंह, पुलिस मुख्यालय, नई दिल्ली।



सह-सम्पादक